कोरोना वायरस से जुड़े 90% डोमेन फर्जी

यूएन के अनुसार सभी देशों में कोविड के दौरान साइबर क्राइम 350% बढ़ा है।

ब्रूट फोर्स अटैक (पासवर्ड पर हमला) भी 400% बढ़ा है।

एंटी वायरस कंपनियों ने भी ऐसे मामले 350-500% बढ़ने की रिपोर्ट दी है।

कोरोना वायरस से जुड़े जितने डोमेन बने हैं, उनमें 90% फर्जी हैं।

इस साल अगस्त तक साइबर सिक्युरिटी से जुड़ी 6.96 लाख घटनाएं हुईं, जबकि 2019 में यह सिर्फ 3.94 लाख थीं

इंटरपोल के अनुसार फिशिंग ईमेल और फ्रॉड 59% बढ़ा।

मार्च में ही कोविड जुड़े ईमेल स्कैम 667% बढ़ गए थे।

परिचित बनकर ऐसे देते हैं झांसा

- जालसाज व्यक्ति आपको फोन कर पहले अपना परिचित बताकर अपनी आवाज पहचानने के लिए बोलते हैं
- जब आप उसकी आवाज को पहचानते हुए किसी अपने परिचित का नाम बताते हैं, तो वो व्यक्ति आपका परिचित बनकर, अपनी मजबूरी बताकर या आपके पास पैसे भेजकर किसी अन्य को देने के नाम पर आपसे पैसे की मांग करता है
- इसके बाद आपके अकाउंट की जानकारी लेकर पैसे निकाले जाते हैं

एटीएम कार्ड
डालने से पूर्व
कार्ड स्लॉट की
जांच अवश्य
कर लें

इनके जरिए हो रहे हैं ऑनलाइन फ्रॉड
कोरोना जांच के
फर्जी कॉल से
फर्जी कस्टमर
केयर से
फ्री रिचार्ज और
कैश बैक
कॉल, मैसेज से
लोन माफी
कॉल या
मैसेज से
OLX के फर्जी
नंबरों से
फर्जी सोशल
मीडिया प्रोफाइल से

ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

QR CODE फ्रॉड

जालसाज आपके सोशल मीडिया ऐप पर QR Code भेज कर अकाउंट में पैसे रिसीव करने के लिए QR कोड को स्कैन करने के लिए कहते हैं

कैसे बचें

ध्यान रखें QR कोड का इस्तेमाल केवल पैसे भेजने के लिए होता है न कि पैसे रिसीव करने के लिए

रिमोट ऐक्सेस ऐप से फ्रॉड

जालसाज, लोगों को स्क्रीनशेयरिंग ऐप इंस्टॉल करने के लिए कहते हैं, ये ऐप इन-स्टॉल होते ही जालसाज आपके फोन की सारी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर सकते हैं

कैसे बचें

स्क्रीनशेयर, ऐनीडेस्क, टीमव्यूअर जैसे स्क्रीनशेयरिंग ऐप किसी के कहने पर इनस्टॉल न करें, खुद की सहूलियत के लिए ये ऐप खतरनाक नहीं हैं लेकिन फ्रॉड इनका गलत इस्तेमाल कर सकते हैं